कोरोना वायरस की चपेट में आए दुनिया के नौ और देश

महामारी का कहर ▶ विश्वभर में संक्रमित लोगों का आंकड़ा एक लाख के पार पहुंचा, वैज्ञानिकों का अनुमान–गर्मी का नहीं पड़ेगा वायरस पर असर

ईरान में एक सांसद समेत 21 और चीन में 28 पीड़ितों की हुई मौत

बीजिंग, प्रेट्र : दुनिया में जानलेवा कोरोना वायरस तेजी से फैल रहा है। यह वायरस नौ और देशों में पहुंच चुका है। ऐसे देशों की संख्या 85 से बढ़कर 94 हो गई है। दुनियाभर में वायरस संक्रमित लोगों का आंकड़ा एक लाख के पार पहुंच गया है। मरने वालों की संख्या बढ़कर 3,491 हो गई है। ईरान में एक सांसद समेत 21 पीड़ितों ने दम तोड़ दिया। चीन में 28 मौत होने की खबर है। दक्षिण कोरिया और जापान में भी लोग वायरस से ज्यादा प्रभावित हैं। बता दें कि यह वायरस मध्य चीन के हुबेई प्रांत की राजधानी वुहान से ही दुनियाभर में फैला है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने शुक्रवार को बताया कि चीन से बाहर 94 देशों में कोरोना वायरस के पहुंचने की खबर है। पिछले 24 घंटे के दौरान फिलीपींस, न्यूजीलैंड, आयरलैंड, चेक गणराज्य, स्लोवेनिया, भूटान, कैमरून, सर्बिया और दक्षिण अफ्रीका में पहले मामले सामने आए। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने शनिवार को बताया कि देश में 99 नए मामलों की पुष्टि हुई और 28 मौतें हुई हैं। ये सभी मौतें कोरोना के केंद्र हुबेई में हुई। चीन में अब तक कुल 3,070 मौतें हो चुकी हैं। संक्रमित मामलों की संख्या 80,651 तक पहुंच गई है। जबकि चीन नियंत्रित हांगकांग में दो मौत के साथ 107 मामलों की पुष्टि हुई है।

'गर्मी में वायरस के खत्म होने के संकेत नहीं' : डब्ल्यूएचओ के हेल्थ इमरजेंसी प्रोग्राम के कार्यकारी निदेशक माइकल रियान ने कहा, 'फिलहाल ऐसा कोई संकेत नहीं है कि गर्मी में कोरोना वायरस (कोविड-19) खत्म हो जाएगा। हमारा अनुमान है कि यह वायरस लगातार फैलता रहेगा।'

कोरोना से जंग को उतरे ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स : कोरोना वायरस के प्रकोप से जंग को ईरान के विशिष्ट बल रिवोल्यूशनरी गार्ड्स को मैदान में उतारा गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि मुल्क में 21 और मौत हो गई और 1,076 नए मामलों के साथ संक्रमित लोगों की संख्या 5,823 हो गई है। अब तक कुल 145 की जान भी जा चुकी है। ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी ने कोरोना वायरस से एक और सांसद की मौत होने की खबर दी। एजेंसी ने बताया कि सांसद फतेमेह रहबर की मौत हो गई। वायरस से अब तक दो सांसदों की जान चली गई।

क्रूज पर 21 संक्रमित, अमेरिकी जेलों में अलर्ट : सैन फ्रांसिस्को, एएफपी : अमेरिका में कैलिफोर्निया प्रांत के सैन फ्रांसिस्को तट पर खड़े ग्रैंड प्रिंसेज क्रूज पर कोरोना वायरस के 21 मामलों की पुष्टि हुई है। क्रूज पर करीब 3500 लोग सवार हैं। अमेरिका की जेलों में भी कोरोना वायरस को लेकर चेतावनी जारी की गई है। हालांकि जेलों में अभी तक कोई मामला सामने नहीं आया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि घातक कोरोना वायरस से अमेरिकी नागरिकों को कम खतरा है। इस बीच अमेरिका समर्थित इजरायली लॉबी एआइपीएसी के दो सदस्य के टेस्ट पॉजिटिव पाए गए। अमेरिका में वायरस से 14 मौत हुई और 299 संक्रमित पाए गए हैं।

फिल्मों और कंसर्ट समेत कई कार्यक्रमों पर पड़ा असर : अमेरिका समेत पूरी दुनिया में फिल्मों, कंसर्ट और म्यूजिकल कार्यक्रमों पर कोरोना वायरस का गहरा असर पड़ा है। इस तरह के कई बड़े आयोजनों को रद कर दिया गया है। एपल, अमेजन, नेटफिक्स, फेसबुक, ट्विटर और टिकटॉक जैसी बड़ी कंपनियां वायरस की चिंता का हवाला देकर पीछे हट रही हैं।

मिस्र में क्रूज पर भारतीय भी फंसे

काइरो, एपी : मिस्र के दक्षिण शहर लक्सर के तट पर एक क्रूज पर भारतीयों समेत 150 पर्यटक सवार फंस गए हैं। कोरोना वायरस के चलते इस क्रूज को अलग कर दिया गया है। इस क्रूज के एक ताइवानी-अमेरिकी यात्री में वायरस की पुष्टि हुई है।

चीन के हुबेई प्रांत के सर्वाधिक प्रभावित वुहान शहर में स्थित रेड क्रास के हॉस्पिटल में ऑब्जर्वेशन में रखा गया कोरोना वायरस से पीड़ित मरीज। एएफपी

संक्रमण का असर

यूरोपीय यूनियन ने कोरोना वायरस से मुकाबले के लिए सदस्य देशों को राष्ट्रीय हितों से ऊपर उठने की अपील की

दक्षिण कोरिया में 6767 संक्रमित, 44 की मौत, संक्रमण की आशंका में डेंगू शहर के दो अपार्टमेंट में 140 लोग अलग-थलग किए गए

ब्रिटेन में 47 नए मामलों के साथ पीड़ितों की संख्या 163 हुई। देश में 20,338 की जांच में 20175 निगेटिव पाए गए

जर्मनी में अब तक पाए गए 684 पीड़ितों में से आधे से ज्यादा मामले देश के पश्चिमी प्रांत में सामने आए

भारतीयों के लिए अनिवार्य प्रमाणपत्र से पीछे हटा कुवैत

कुवैत सिटी, एएनआइ : कुवैत भारतीय यात्रियों के लिए अनिवार्य किए गए चिकित्सा प्रमाणपत्र से पीछे हट गया है। गौरतलब है कि दुनियाभर में कोरोना वायरस के फैलने के बाद कुवैत सरकार ने चिकित्सा प्रमाणपत्र को अनिवार्य किया था। कुवैत के नागरिक विमानन प्राधिकरण ने अपने इस आदेश को रद कर दिया है। हालांकि कुवैत ने भारत, बांग्लादेश, श्रीलंका, सीरिया, फिलीपींस, लेबनान और मिस्र के लिए अपनी उड़ानें निलंबित कर दी हैं।

संयुक्त अरब अमीरात में संक्रमित पाया गया भारतीय

दुबई, प्रेट्र : संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में कोरोना वायरस के सामने आए 15 नए मामलों में एक भारतीय भी शामिल बताया जा रहा है। स्वास्थ मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि 15 नए मामलों में से 13 पीड़ित ऐसे हैं, जो हाल ही में विदेश से यूएई में आए हैं। मंत्रालय ने ट्वीट में कहा, 'यूएई दो लोगों के उबरने की पुष्टि करता है। जबकि विभिन्न देशों के 15 लोगों के टेस्ट पॉजिटिव पाए गए हैं। इस लेकर देश में कुल मामलों की संख्या बढ़कर 45 हो गई है।'

पाकिस्तान की आर्थिक तंगी बढ़ा सकता है कोरोना

इस्लामाबाद, प्रेट्र : दुनियाभर में फैले जानलेवा कोरोना वायरस के चलते पहले से फटेहाल पाकिस्तान की आर्थिक तंगी और भी बढ़ सकती है। इतना ही नहीं इससे अन्य एशियाई देशों की अर्थव्यवस्था को भी भारी चोट पहुंचने का अनुमान है। एशियन विकास बैंक (एडीबी) ने अपनी आकलन रिपोर्ट में कहा कि वायरस के प्रकोप से वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 0.4 फीसद तक की गिरावट यानी 347 अरब डॉलर (करीब 25 लाख करोड़ रुपये) का नुकसान हो सकता है।

एडीबी ने वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर अपनी आकलन रिपोर्ट शुक्रवार को पेश की। रिपोर्ट के अनुसार, कोरोना के चलते विकासशील देशों की अर्थव्यवस्था को कई तरह से चोट पहुंच सकती है। घरेलू मांग में भारी गिरावट के साथ ही पर्यटन, व्यापार, उत्पादन और आपूर्ति पर असर पड़ सकता है।

जानलेवा वायरस से सबसे ज्यादा प्रभावित चीन को अपनी जीडीपी का 0.8 फीसद या 103 अरब डॉलर (करीब साढ़े सात लाख करोड़ रुपये) का नुकसान उठाना पड़ सकता है। एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार ने मनीला स्थित एडीबी की रिपोर्ट के हवाले से बताया कि कोरोना वायरस के चलते पाकिस्तान को 6.1 करोड़ डॉलर (करीब 450 करोड़ रुपये) का नुकसान उठाना पड़ सकता है।

न्यूज गैलरी

पाक में 'औरत मार्च' पर रोक संबंधी याचिका खारिज

इस्लामाबाद : इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर 8 मार्च को प्रस्तावित 'औरत मार्च' पर रोक लगाने की याचिका खारिज कर दी। याचिका को औचित्यहीन बताते हुए कोर्ट ने कहा कि लोगों का कहीं भी इकट्ठा होना उनका मूलभूत अधिकार है। कोर्ट ने इसके साथ ही यह अपेक्षा कि लोग कानून के दायरे में रहते हुए इस मार्च (जुलूस) में शामिल हों। पाकिस्तानी अखबार डॉन के मुताबिक हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस अतहर मिन्लाह ने कहा कि इस मार्च में भाग लेने वालों के लिए उन लोगों को जबाव देने का यह बेहतर मौका है जो उनकी मंशा को गलत समझते हैं। जज ने कहा कि इस मार्च के दौरान अगर कानून के खिलाफ कुछ होता है तो कानूनी कार्रवाई जरूर होगी। इसी हफ्ते लाहौर हाईकोर्ट ने भी प्रस्तावित औरत मार्च के खिलाफ दायर याचिका निस्तारित करते हुए लाहौर के जिला प्रशासन को मार्च को मंजूरी देने के आवेदन पर शीघ्र फैसला करने को कहा था। उल्लेखनीय है पाकिस्तान में 2018 में पहली बार औरत मार्च निकाला गया था। इसे 'हम औरतें' नामक एक महिला संगठन निकालता है। इसका मकसद हर क्षेत्र में महिलाओं को मूलभूत अधिकार दिये जाने का है। हालांकि कट्टरपंथी शुरू से ही इस मार्च का विरोध करते रहे हैं। (आइएएनएस)

मेक्सिको में मुठभेड़ में छह बंधकों समेत नौ मारे गए

ग्वाडलजारा : पश्चिमी मेक्सिको में अपराधियों के गिरोह और अपहरण के एक मामले में तफ्तीश कर रहे एजेंटों के बीच हुई जबर्दस्त मुठभेड़ में नौ लोग मारे गए। यह जानकारी सरकारी सूत्रों ने दी। राज्य अभियोजन कार्यालय के अनुसार शुक्रवार को हुई इस मुठभेड़ में मरने वालों में छह बंधक, एक राहगीर और दो अधिकारी हैं। यह वारदात जैलस्को प्रांत के त्लाक्वेपक शहर में हुई। बंधकों को एक घर में रखा गया था। जैलिस्को में संगठित अपराधी गिरोहों की गतिविधियां काफी बढ़ी हुई हैं। आये दिन हिंसा की घटनाएं होती रहती हैं। ड्रग कार्टेल की नई पीढ़ी ने इस इलाके को गिरफ्त में ले रखा है। ताजा वारदात में जब सरकारी एजेंटों ने अपहर्ताओं की घेराबंदी की तो उन्होंने दो एजेंटों की हत्या कर सभी बंधकों को गोली से उड़ा दिया। उनकी फायरिंग की चपेट में आकर एक राहगीर भी जान गंवा बैठा। (प्रेट्र)

सऊदी अरब में हिरासत में लिए गए शाही परिवार के तीन सदस्य

रियाद, एएफपी : सऊदी अरब में दो वरिष्ठ प्रिंस समेत शाही परिवार के तीन सदस्यों को हिरासत में ले लिया गया है। इन पर देशद्रोह का आरोप लगाया गया है। सऊदी राजकुमारों के खिलाफ इस कार्रवाई को क्राउन प्रिंस मुहम्मद बिन सलमान की सत्ता पर बढ़ती पकड़ के तौर पर देखा जा रहा है।

अमेरिकी अखबार वाल स्ट्रीट जर्नल ने सूत्रों के हवाले से बताया कि देशद्रोह का आरोप लगने के बाद किंग सलमान के भाई प्रिंस अहमद बिन अब्दुलअजीज अल-सउद और भतीजे प्रिंस मुहम्मद बिन नायेफ को उनके घरों से शुक्रवार तड़के हिरासत में लिया गया। न्यूयॉर्क टाइम्स अखबार ने भी यह जानकारी दी और बताया कि प्रिंस नायेफ के छोटे भाई प्रिंस नवाफ बिन नायेफ को भी पकड़ लिया गया है। इस कार्रवाई पर सऊदी अधिकारियों की ओर से अभी तक कोई भी प्रतिक्रिया नहीं आई है।

क्राउन प्रिंस मुहम्मद बिन सलमान को सत्ता की बागडोर मिलने के बाद सऊदी में कई आलोचकों, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और कारोबारियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। तीन प्रिंस को हिरासत में लिए जाने की कार्रवाई को भी इसी का हिस्सा माना जा रहा है। किंग सलमान के पुत्र और क्राउन प्रिंस मुहम्मद को अपने मुखर विरोधी पत्रकार जमाल खशोगी की हत्या को लेकर वैश्विक स्तर पर आलोचना का सामना करना पड़ा था। खशोगी की अक्टूबर 2018 में इस्तांबुल स्थित सऊदी अरब के दूतावास में हत्या कर दी गई थी।

▶ देशद्रोह का आरोप लगने के बाद उठाया गया कदम

सऊदी क्राउन प्रिंस मुहम्मद बिन सलमान। रायटर

वेटिकन में ऑनलाइन प्रार्थना कराएंगे पोप

वेटिकन सिटी, रायटर : इटली में कोरोना वायरस के भीषण प्रकोप के बीच पोप फ्रांसिस रविवार को सेंट पीटर्स स्क्वेयर पर होने वाली सार्वजनिक प्रार्थना में भाग नहीं लेंगे। वह वेटिकन से ही ऑनलाइन प्रार्थना करवाएंगे। बुधवार को भी पोप सार्वजनिक प्रार्थना सभा में शामिल नहीं होंगे। उल्लेखनीय है कि पोप की प्रार्थना सभा में भाग लेने के लिए दुनिया भर से लाखों लोग वेटिकन पहुंचते हैं। कोरोना के चलते दुनिया में हर जगह इस तरह के सार्वजनिक कार्यक्रम रद किए जा रहे हैं।

वेटिकन ने बयान जारी कर कहा है कि पोप परंपरागत रूप से सेंट पीटर्स स्क्वेयर के सामने स्थित इमारत की खिड़की से प्रार्थना नहीं करवाएंगे। वह एपोस्टोलिक पैलेस की लाइब्रेरी से ऑनलाइन प्रार्थना करवाएंगे, जो टेलीविजन पर देखी-सुनी जा सकेगी। पोप की सामूहिक प्रार्थना सभा 15 मार्च तक निलंबित रह सकती है। इस दौरान पोप श्रद्धालुओं को ऑनलाइन प्रार्थना करवा सकते हैं। 83 वर्षीय पोप ने तेज जुकाम के चलते हाल ही में एक प्रमुख धार्मिक रस्म रद कर दी थी। बता दें कि वेटिकन में एक कर्मचारी कोरोना से पीड़ित पाया गया है।

पाकिस्तान में महिलाओं के लिए 24 साल बाद खुली सुनहरी मस्जिद

पेशावर, आइएएनएस : अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर पाकिस्तान की ऐतिहासिक सुनहरी मस्जिद करीब 24 साल बाद महिलाओं के लिए खोल दी गई। पेशावर स्थित इस मस्जिद में महिलाओं ने वर्ष 1996 के बाद शुक्रवार को पहली बार जुमे की नमाज पढ़ी। आतंकवाद के चलते मस्जिद में महिलाओं के प्रवेश पर रोक लगी थी।

डॉन अखबार के अनुसार, प्रवेश की इजाजत मिलने के बाद पेशावर के कैंटोमेंट इलाके में स्थित सुनहरी मस्जिद में करीब 20 महिलाओं ने जुमे की नमाज अदा की। महिलाओं को ईद के दौरान भी प्रवेश की अनुमति रहेगी। मस्जिद के इमाम मुहम्मद इस्माइल ने कहा, 'इलाके में रहने वाली महिलाओं की सुविधा के लिए यह फैसला लिया गया है।

1996 से पहले महिलाओं को मस्जिद के ऊपरी हिस्से में जुमे की नमाज में शामिल होने की इजाजत थी, लेकिन आतंकवाद बढ़ने पर मस्जिद में महिलाओं के आने पर रोक लगा दी गई थी। अब हमने महिलाओं के लिए मस्जिद के ऊपरी हिस्से को फिर खोल दिया है। यहां वे एक अलग हिस्से में पुरुषों के साथ जुमे की नमाज में शामिल हो सकती हैं।' मस्जिद में जुमे की नमाज में शामिल होने वाली एक महिला ने कहा, 'मैं बेहद खुश हूं और यह यकीनन बहुत अच्छा फैसला है। महिलाओं को यह सुविधा रोज मिलनी चाहिए। उम्मीद है हम जल्द ही यहां रोज नमाज अदा करेंगे।'

▶ आतंकवाद के चलते महिलाओं के प्रवेश पर लगी थी रोक

▶ पेशावर के कैंटोमेंट इलाके में स्थित है सुनहरी मस्जिद

पाकिस्तान के पेशावर में स्थित ऐतिहासिक सुनहरी मस्जिद। फाइल/साभार : डॉन

राष्ट्रपति ट्रंप ने देखा तबाही का मंजर

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टेनेसी राज्य में आए भीषण चक्रवाती तूफान के बाद प्रभावित इलाकों का दौरा किया। तबाही देखकर ट्रंप काफी दुखी नजर आए और उन्होंने पीड़ितों को हरसंभव सहायता देने का आश्वासन दिया। प्रांतीय राजधानी नैशविले में तूफान ने भारी नुकसान पहुंचाया है। यहां चारों तरफ क्षतिग्रस्त कारों को ढेर दिखाई दिया। एपी

माइकल ब्लूमबर्ग के खर्च पर पत्रकारों के खराब गणित का उड़ा मजाक

जेएनएन, नई दिल्ली

अमेरिका में राष्ट्रपति पद की होड़ से मीडिया मुगल और न्यूयॉर्क के पूर्व मेयर माइकल ब्लूमबर्ग भले हट गए हैं, लेकिन उनके खर्च को लेकर पत्रकारों के बीच बहस थम नहीं रही। एक टीवी चैनल पर इसी तरह की एक बहस में दो पत्रकारों के खराब गणित ज्ञान का मामला सामने आया। इसके चलते उन्हें ना सिर्फ शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा बल्कि सोशल मीडिया पर भी उनका खूब मजाक उड़ा। दरअसल दोनों पत्रकारों ने एक ऐसे ट्वीट का समर्थन किया था, जिसमें यह कहा गया था कि अगर 500 मिलियन डॉलर 327 मिलियन अमेरिकियों पर खर्च होते तो हर किसी को एक मिलियन डॉलर मिलता और कई मिलियन डॉलर बच भी जाते।

ब्लूमबर्ग ने विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी से राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनने के लिए दावेदारी पेश की थी। उन्होंने अपने प्रचार पर करीब 500 मिलियन डॉलर यानी 50 करोड़ डॉलर (करीब 3700 करोड़ रुपये) खर्च किए थे। ब्लूमबर्ग ने गत मंगलवार को 14 राज्यों के प्राइमरी चुनाव में खराब प्रदर्शन के बाद अपना नाम वापस ले लिया। इसके बाद मेकिता रिवास नामक एक महिला ने ट्वीट कर लिखा, 'ब्लूमबर्ग ने प्रचार पर 500 मिलियन डॉलर खर्च किए थे। अमेरिका की आबादी 327 मिलियन (करीब 32.7 करोड़) है। अगर वह हर अमेरिकी को एक मिलियन डॉलर (करीब 7.3 करोड़ रुपये) देते तो भी बहुत बच जाता। मुझ लगता है कि एक मिलियन डॉलर का चेक कई लोगों की जिंदगी बदलने वाला होता।' इसी ट्वीट पर चर्चा के दौरान एमएसएनबीसी न्यूज के एंकर ब्रायन विलियम्स और मारा गे से चूक हो गई।

उन्होंने इस ट्वीट का समर्थन किया, लेकिन हकीकत यह है कि अगर यह राशि बांटी जाती तो हर अमेरिकी को महज 1.50 डॉलर (करीब 110 रुपये) ही मिलते। दोनों पत्रकारों को थोड़ी देर में ही अपनी गलती का एहसास हो गया था, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। इस चर्चा का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ और लोगों ने पत्रकारों के गणित ज्ञान का खूब मजाक उड़ाया।

▶ टीवी चैनल के बहस में एक ट्वीट का समर्थन करने पर झेलनी पड़ी शर्मिंदगी

▶ ब्लूमबर्ग ने अपने चुनाव प्रचार पर खर्च किए थे लगभग 500 मिलियन डॉलर

माइकल ब्लूमबर्ग। फाइल

चिंताजनक

दुनिया के जाने-माने कैंसर विशेषज्ञों ने अर्ली डिटेक्शन में नाकामी पर जताई चिंता, बोले-कैंसर से 1300 लोगों की होती है रोज मौत, सालाना आ रहे 12 लाख नए मरीज

तत्काल कदम नहीं उठाए तो भारत में होगी 'कैंसर की सुनामी'

वाशिंगटन, प्रेट्र : भारत में हर रोज करीब 1300 लोगों की कैंसर से मौत हो रही है और सालाना तकरीबन 12 लाख कैंसर के मरीज सामने आ रहे हैं। कैंसर की इस भयावह स्थिति से निपटने के लिए तत्काल आवश्यक कदम नहीं उठाए गए तो वह दिन दूर नहीं जब भारत को 'कैंसर की सुनामी' जैसे खतरे का सामना करना पड़ सकता है। यह कहना है दुनिया के प्रख्यात कैंसर विशेषज्ञों का। उन्होंने भारत में बढ़ते कैंसर के खतरे को लेकर न केवल चेताया है, बल्कि देश में बीमारी का जल्द पता (अर्ली डिटेक्शन) लगाने में नाकामी और स्वास्थ्य शिक्षा (हेल्थ एजुकेशन) में कमी पर भी चिंता जताई।

कैंसर मरीजों के सफल इलाज और इस घातक बीमारी के बारे में अपने बेहद अहम शोध की वजह से दुनिया भर में मशहूर भारतीय मूल के दो अमेरिकी विशेषज्ञों डॉ. दत्तात्रेयुडू नोरी और डॉ. रेखा भंडारी ने जोर दिया कि हेल्थ एजुकेशन और रोग की शुरुआती चरण में ही पहचानने की जबरदस्त कोशिशों के जरिए ही भारत को 'कैंसर की सुनामी' की गिरफ्त में जाने से रोका जा सकता है।

बता दें कि पद्मश्री से सम्मानित डॉ. नोरी इस घातक बीमारी से पीड़ित कई भारतीय नेताओं का इलाज कर चुके हैं। इनमें पूर्व राष्ट्रपति दिवंगत नीलम संजीव रेड्डी भी शामिल हैं जबकि डॉ. भंडारी दर्द निवारक दवाओं के क्षेत्र में अपने शोध के लिए जानी जाती हैं। न्यूयॉर्क में रहनेवाले भारतीय अमेरिकी डॉ. नोरी खुद लो-प्रोफाइल रहना पसंद करते हैं। वह मीडिया से बातचीत से बचते हैं।

कैंसर के बढ़ते मामले पूरे विश्व के लिए चिंता का विषय हैं। प्रतीकात्मक

पीएम मोदी के हेल्थ प्रोग्राम से खुश

2015 में पद्मश्री से सम्मानित डॉ. नोरी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 'आयुष्मान भारत योजना' और 'नेशनल कैंसर रजिस्ट्री प्रोग्राम' के फैसले से काफी प्रभावित हैं। उन्होंने इसे सही दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। नोरी और भंडारी दोनों को अमेरिका में प्रवासियों को दिए जाने वाले सबसे बड़े नागरिक सम्मान एलिस आइलैंड मेडल ऑफ ऑनर से नवाजा जा चुका है। यह प्रतिष्ठित सम्मान हर साल उन लोगों को दिया जाता है जिन्होंने देश सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय काम किया हो। इस सम्मान को पाने वालों में डोनाल्ड ट्रंप समेत कई अमेरिकी राष्ट्रपति और नोबेल पुरस्कार विजेता भी शामिल हैं।

2030 तक बढ़ सकते हैं सालाना 17 लाख नए मरीज

इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर ने भी भविष्यवाणी की है कि 2030 तक भारत में हर साल कैंसर के करीब 17 लाख नए मरीज सामने आ सकते हैं। डॉ. नोरी ने कहा, कैंसर से भारत के लोगों को सामाजिक और आर्थिक तौर पर गंभीर समस्याओं से जूझना पड़ता है। यह बीमारी पीड़ित परिवार को गरीबी के दलदल में फंसा देती है। सामाजिक असमानता को बढ़ावा देती है। महंगे इलाज की वजह से भारत में अगर किसी परिवार के किसी सदस्य को कैंसर हो जाए तो पूरा परिवार गरीबी रेखा के नीचे चला जाता है। उन्होंने इसे भारत में पब्लिक हेल्थ केयर की एक बड़ी चुनौती करार दिया।

कैंसर से निपटने को दिए कई अहम सुझाव

कैंसर की चुनौती से निपटने के लिए डॉ. नोरी ने भारत सरकार से कई सिफारिशें की हैं। वहीं डॉ. भंडारी इसके शुरुआती चरण में ही पहचान के लिए ब्लॉक चेन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस -जैसे नए आइटी टूल्स पर काम कर रही हैं। भारत में कैंसर के सबसे ज्यादा मामलों के पीछे मुख्य वजह तंबाकू है। दोनों कैंसर विशेषज्ञों ने सरकार को कैंसर हॉटलाइन और रीजनल कैंसर सेंटर बनाने के अलावा, ब्रेस्ट कैंसर व सर्वाइकल कैंसर जैसे तेजी से बढ़ रहे रोगों के लिए टास्क फोर्स बनाने -जैसे कई अहम सुझाव दिए।

प्रिंसेस शमसा के लापता होने की फिर से होगी जांच

लंदन, एएफपी : ब्रिटेन की पुलिस ने दुबई के शासक शेख मुहम्मद बिन राशिद अल-मकतूम की बेटी शमसा के लापता होने के मामले की दोबारा जांच कराने का फैसला किया है। हाल ही में लंदन हाई कोर्ट ने अपने एक आदेश में ब्रिटिश शहर कैंब्रिज से सन 2000 में शमसा को अगवा किए जाने की बात कही थी। कोर्ट ने कहा था कि शमसा को उसके पिता के लोग जबर्दस्ती दुबई ले गए थे।

शेख मुहम्मद संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के उप राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री भी हैं। उनका अपनी छठी पत्नी प्रिंसेस हया के साथ कानूनी विवाद चल रहा है। हया ने दुबई से भागकर ब्रिटेन में शरण ले ली है। वहां पर उन्होंने अपनी सुरक्षा की मांग की है। इसी मामले की सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने शेख मुहम्मद के बारे में कहा कि उन्होंने अपनी दो बेटियों- शमसा को कैंब्रिज से और लतीफा को भारत के पास समुद्र से अगवा करवा लिया था।